

युगवार्ता मंथन

YUGVARTA MANTHAN

संपादक : पूजा निलेश पांडेय

Volume - 01

Issue - 01

MUMBAI, November 2025

Pages : 8

Price : 3/-

महाराष्ट्र : मुंबईत उपनगरीत बॅनरबाजांचा दहशतकाल

पी/उत्तर, पी/पूर्व आणि आर/साउथ विभागाचे अधिकारी
— बेकायदेशीर बॅनर्सकडे दुर्लक्ष की मौन संमती..?

मनपाचे
अधिकारी
'बघ्याची भूमिका'
घेतायत का?

मुंबई। गणेशोत्सव, नवरात्री, दिवाळी संपली, पण मुंबईच्या उपनगरांतील रस्त्यांवर आजही बॅनरबाजांचा कच्चा कायम आहे. शहराचा प्रत्येक कोपरा, सिग्नल आणि रस्त्याच्या कडेला परवानगीशिवाय टांगलेले बॅनर्स लटकताना दिसतात. जणू काय बीएमसीच्या नियमांचा आणि न्यायालयाच्या आदेशांचा कोणीच विचार करत नाही.



आणि अधिकारी मात्र कार्यालयात जाताना जणू काही दिसतच नाही

पूजा पांडेय

मालाड पूर्व, कांदिवली पूर्व आणि गोरगाव पूर्व या उपनगरांमध्ये तर परिस्थिती नियंत्रणाबाहेर गेली आहे. रस्त्यापेक्षा बॅनर्सच जास्त दिसतात. काही बॅनर्स इतके मोठे आहेत की सिग्नल पूर्णपणे झाकले जातात, त्यामुळे वाहनचालकांना सिग्नल दिसत नाही आणि वाहतुकीचा तासन्तास खोळंबा होतो. परिणामी सामान्य नागरिकांना दंड, वेळ आणि मानसिक त्रास सोसावा लागतो.

हे तथाकथित “समाजसेवक” आणि “नेते” आपल्या वाढदिवसांवर किंवा शुभेच्छा जाहिरातीसाठी मोठमोठे बॅनर्स लावतात. पण बीएमसीकडून ना परवानगी घेतात, ना त्यासाठी ठरलेली फी भरतात. बीएमसीच्या नियमानुसार प्रत्येक बॅनरसाठी लेखी परवानगी



आवश्यक आहे आणि त्यावर क्यूआर कोड असणे बंधनकारक आहे. पण या बॅनरबाजांसाठी कायदा म्हणजे फक्त एक विनोद. या बेकायदेशीर बॅनर्समुळे बीएमसीला दरवर्षी कोट्यवधी रुपयांचा महसूल तोटा सहन करावा लागतो. तरीसुद्धा पी/उत्तर, पी/पूर्व आणि आर/साउथ विभागाचे अधिकारी काहीच कारवाई करत नाहीत. महिनोन्महिने हे बॅनर्स तसंच लटकलेले राहतात,

अशा थाटात वागतात. नागरिकांच्या मते, “बीएमसीचे अधिकारी आणि बॅनरबाज यांच्यात काही मौन करार झाला आहे का?” हा प्रश्न आता सर्वत्र चर्चेत आहे. सर्वोच्च न्यायालय आणि मुंबई उच्च न्यायालय यांनी बेकायदेशीर बॅनर्सवर कठोर कारवाईचे आदेश दिले होते. परंतु आजही त्या आदेशांची उघडपणे पायमल्ली होत आहे.



शहराच्या सौंदर्याचा नाश, वाहतुकीतील गोंधळ आणि नागरिकांचा त्रास — या सर्व गोष्टींचं मूळ हेच बिनपरवानगीचे बॅनर्स आहेत. दिवाळीचा सण संपून गेलेला असला तरी या बॅनरबाजांच्या सावल्या अजूनही मुंबईच्या उपनगरांवर पसरलेल्या आहेत. बीएमसी प्रशासन झोपलेले असताना, शहराचे रस्ते जणू “पोस्टर गॅलरी”मध्ये रूपांतरित झाले आहेत — आणि मुंबईकर मात्र गोंधळाच्या अंधारात वाट काढत आहेत.

Lottery for BMC Election Ward Reservations to Be Held on November 11



Lavkush Tiwari
(Correspondent)

Mumbai : In a major step toward the long-awaited Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) elections, the Maharashtra State Election Commission has officially announced that the lottery to determine ward reservations will be conducted on November 11, 2025. This crucial process will decide which of Mumbai's 227 civic wards will be reserved for women, Scheduled Castes (SC), Scheduled Tribes (ST), and Other Backward Classes (OBC), while the rest will remain open for general candidates.

According to the election commission, the notification for the lottery draw will be issued on November 6, followed by the actual draw on November 11. Once the lottery is completed, a draft list of reserved wards will be published around November 14, inviting objections and suggestions

from citizens. After reviewing the feedback, the final reservation list will be released by November 28.

The BMC election process had been delayed for nearly two years due to disputes over OBC reservation and ward restructuring. However, with the Supreme Court directing that all local body elections in Maharashtra must be completed by January 31, 2026, the election machinery has now accelerated its preparations.

The upcoming reservation draw is expected to play a decisive role in shaping the political landscape of Mumbai's civic polls. Political parties and potential candidates are keeping a close watch, as the results of this lottery will determine their campaign strategies, candidate selection, and ward-level positioning.

Once the final list is declared, the path will be clear for the announcement of official election dates, paving the way for Mumbai's most significant local election in recent years — one that will decide who governs the country's richest civic body.

मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में ट्रांसफर-प्रमोशन घोटाले की एसआईटी जांच की मांग ! आमदार सुनील प्रभु ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र...

मुंबई : म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में ट्रांसफर और प्रमोशन में हो रही अनियमितताओं को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के विधायक सुनील प्रभु ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखते हुए मामले की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (रक्क) और इकोनॉमिक ऑफिस विंग (एडह) से करवाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम में

पिछले तीन सालों से चुनाव न होने के कारण प्रशासनिक अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे अफसरशाही पर कोई नियंत्रण नहीं रहा और भ्रष्टाचार के मामले तेजी से बढ़े हैं।

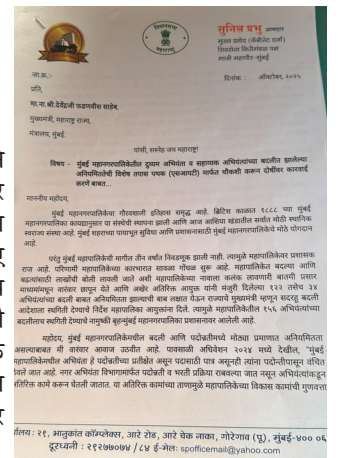
विधायक प्रभु ने पत्र में कहा है कि ट्रांसफर और प्रमोशन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां की जा रही हैं। मीडिया में बार-बार खबरें आती हैं कि मनपा में ट्रांसफर और प्रमोशन के लिए लाखों



की बोली लगाई जाती है, जिससे संस्था की साख पर बुरा असर पड़ रहा है।

हाल ही में एडिशनल कमिश्नर द्वारा मंजूर किए गए 156 इंजीनियरों के ट्रांसफर में गड़बड़ी सामने आने के बाद मुख्यमंत्री ने खुद इस पर रोक लगाई थी। प्रभु ने यह भी बताया कि निगम के इंजीनियर प्रमोशन के लिए योग्य होने के बावजूद पदोन्नति से वंचित हैं, जबकि उनसे अतिरिक्त कार्य लिया जा रहा है, जिससे विभागीय कामकाज और विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता पर

असर पड़ा है। विधायक सुनील प्रभु ने यह भी कहा है कि प्रमोशन और ट्रांसफर घोटाले में वित्तीय लेन-देन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, इसलिए इस पूरे मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा (EOW) से भी करवाई जानी चाहिए। उन्होंने यह उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री इस गंभीर मुद्दे पर त्वरित कदम उठाकर निगम की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को बहाल करेंगे।



सरदार पटेल की विरासत संजोते मोदी...

भारत को जब 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली, तब अंग्रेज एक खंडित उपमहाद्वीप छोड़ गए। विभाजन के आघात के साथ-साथ 560 से अधिक रियासतें भी थीं, जिनमें से प्रत्येक के अपने शासक और महत्वाकांक्षाएँ थीं। नवस्वतंत्र राष्ट्र ने खुद को एक दोराहे पर पाया। एकता के अभाव में कठोर मेहनत से प्राप्त स्वतंत्रता खोखली होती। ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर एक व्यक्ति ने चुनौती स्वीकार की और वे थे सरदार वल्लभभाई पटेल-देश के पहले उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री। दूरदर्शिता, हठ संकल्प और अदम्य इच्छाशक्ति के साथ उन्होंने इन रियासतों को एक राष्ट्र में मिलाया, जिससे स्वतंत्र भारत को उसका आकार और शक्ति मिली। राष्ट्र को एकीकृत करने वाले इस महान व्यक्तित्व के अद्वितीय

प्रयासों को वह मान्यता नहीं मिली, जिसके वे वास्तव में हकदार थे। दशकों बाद प्रधानमंत्री मोदी ने इस विसंगति को पहचाना और पटेल की विरासत को संरक्षित करने तथा उसका सम्मान करने के लिए निर्णायक कदम उठाए।

नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक यात्रा और शासन के सिद्धांत में सरदार पटेल के प्रभाव साफ दिखते हैं। वे पटेल को ह्राएक भारत, श्रेष्ठ भारत के अपने दृष्टिकोण के पीछे का पथप्रदर्शक मानते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने सरदार पटेल की विरासत को सार्थक कार्यों के माध्यम से सम्मानित किया। उन्होंने अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय स्मारक का जीर्णोद्धार कराया तथा उसे एक प्रमुख संग्रहालय और सांस्कृतिक

केंद्र में परिवर्तित किया।

हर साल 31 अक्टूबर को पटेल जयंती पर मोदी ने युवाओं को उनके योगदान के बारे में जानकारी देने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने शुरू किए। इनमें एकता यात्रा राष्ट्रीय एकत्व की भावना को बढ़ावा देने के एक सशक्त मंच के रूप में उभरी। सरदार पटेल के प्रति मोदी की श्रद्धा के सबसे प्रभावशाली प्रतीक के रूप में गुजरात में नर्मदा नदी के तट पर स्टेच्यू आफ यूनिटी स्थापित हुई। मुख्यमंत्री मोदी द्वारा परिकल्पित और 31 अक्टूबर, 2018 को प्रधानमंत्री के रूप में उनके द्वारा अनावृत्त यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा है। इसकी 182 मीटर की ऊँचाई प्रतीकात्मक रूप से गुजरात के 182 विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती है।

मोदी ने इस प्रतिमा के निर्माण में पूरे

देश को शामिल करने के लिए ह्यलोहा अभियान शुरू किया, जिसमें देश के छह लाख से अधिक गांवों के किसानों ने लोहे के औजार दान किए। इस अभियान ने राष्ट्रीय एकता की भावना को मूर्त रूप दिया। स्टेच्यू आफ यूनिटी के निर्माण के दौरान प्रारंभिक डिजाइन में सरदार पटेल को कुर्ता-पायजामा पहने दिखाया गया था। मोदी ने इस पर बल दिया कि प्रतिमा में वे धोती पहने हुए हों, जैसे किसान पारंपरिक रूप से पहनते हैं। इससे एक बड़ी चुनौती उत्पन्न हुई, क्योंकि ऊँची प्रतिमाओं का आधार आमतौर पर चौड़ा बनाया जाता है। फिर भी मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि पटेल की पोशाक में कोई बदलाव किए बिना हरसंभव उपाय किए जाएँ, क्योंकि उनका मानना था कि सरदार पटेल देश के किसानों के प्रतीक हैं।

युगवार्ता मंथन

संपादकीय मंडल

संपादक : पूजा निलेश पांडेय

संरक्षक : बीरेंद्र पांडेय

कार्यकारी संपादक :

दीनानाथ तिवारी

उप संपादक :

संतोष तिवारी/ निलेश पांडेय

संवाददाता :

शशिकांत मिश्रा/ लवकुश तिवारी

कानूनी सलाहकार :

एड. सुनील शुक्ला

आईला जीवे मारलं... चौथ्या बायकोलाही मारण्याचा प्लान, वडिलांचं काय झालं? विशाल असा का वागला?

संभल : पैसे, ही अशी गोष्ट आहे जी कोणालाही वेदं बनवू शकते. जेव्हा पैशांचा मुद्दा येतो, तेव्हा लोकांना ना मित्र दिसतो ना शत्रू ना माणूस दिसतो ना प्राणी. पण जेव्हा पैशांच्या मोहात पडून लोक जीव घेण्यासाठी तयार होतात तेव्हा धक्का बसतो. खरंतर जीवन विमा म्हणजेच इन्शुरन्स हा आपल्या आणि आपल्या कुटुंबाचे भविष्य आर्थिकदृष्ट्या सुसंरक्षित करण्याचा एक मार्ग आहे. काही अनपेक्षित घडल्यास ही विमा पॉलिसी आर्थिक मदत देते. पण काही लोकां असेही आहेत, जे या विमा पॉलिसीचा गैरवापर करतात. असाच एक माणूस.. नव्हे हेवा.. तो म्हणजे हापूर येथील विशाल कुमार. त्याने प्रथम त्याच्या पत्नी, आई आणि वडिलांचा विमा काढला. नंतर, त्याने एक एक करून प्रत्येकाला मारलं आणि नंतर त्यांचे विम्याचे पैसे हडप केले. पण गुन्हा कधीच लपून रहता नाही, कधी ना कधी उघडकीस येतोच. याच न्यायप्रमाणे, विशालचं काळं कृत्यही अखेर उघड झालं. खरंतर, संभल जिल्ह्याच्या अतिरिक्त पोलिस अधीक्षक (एएसपी) अनुकृती शर्मा यांनी सर्व विमा कंपन्यांकडून संशयित पॉलिसीची माहिती मागितली होती. त्याच दरम्यान, निवा

बुपा हेल्थ इन्शुरन्स कंपनीचे प्रतिनिधी संजय कुमार यांनी एएसपीला माहिती दिली की मेरठ येथील मुकेश चंद सिंघल यांच्याकडे 64 विमा पॉलिसी आहेत. या सर्व पॉलिसी 2018 ते 2023 दरम्यान काढण्यात आल्या होत्या. मात्र, विशालने 25 जानेवारी 2024 ते 6 फेब्रुवारी 2024 दरम्यान कर्ज काढून, टोयोटा लेजेंड, निसान मेंगाइट, ब्रेझा आणि रॉयल एनफील्ड अशा चार गाड्या खरेदी केल्या. पण त्याचा मासिक पगार आहे फक्त 25 हजार रुपये. ते पाहून मुकेशबद्दलचा आमचा संशय आणखी वाढला.” असं एएसपी अनुकृती शर्मा म्हणाल्या. तपास केला असता असं दिसून आलं की विशालच्या कुटुंबातील तीन सदस्यांचा मृत्यू झाला होता आणि त्याला त्या सर्वांच्या विम्याचे पैसे मिळाले होते.

अधिक चौकशीत असे दिसून आले की विशालने चार वेळा लग्न केले होते. त्याला त्याच्या पहिल्या पत्नीच्या आणि त्याच्या आईच्या विमा पॉलिसीमधून 1.5 कोटी रुपये मिळाले होते. तर वडिलांच्या मृत्यूनंतर त्याला दोन पॉलिसीमधून 50 लाख रुपये मिळाले. त्याच्याकडे आणखी 63



पॉलिसीमधून अंदाजे 50 कोटी रुपये होते.

चौथ्या पत्नीने केला उलगडा

विशालची दुसरी आणि तिसरी पत्नी कुठे आहे, याचा शोध घेतला जात आहे. मात्र, एक वृत्तसंस्था विशालच्या चौथ्या पत्नीशी बोलली तेव्हा तिने अनेक गुपिते उघड केली. ती म्हणाली, “मी मेरठची आहे. मी फेब्रुवारी 2024 मध्ये विशालशी लग्न केले. आमच्या लग्नाच्या

एक-दोन दिवसांतच मला कळले की त्याने अनेक लग्ने केली आहेत.” त्यानंतर विशाला मला म्हणला की येत्या 5-7 दिवसांत त्याच्या वडिलांचा मृत्यू होणार आहे. पण ते ऐकून मी हैराण झाले कारण माझ्या सास-यांची तब्येत तर धडधाकट होती. मी त्याबद्दल विशालला प्रश्न विचारल्यावर त्याने उडवाउडवीची उत्तरं दिली. पण नंतर, विशालने मला जाहीरपणे धमकी दिली की मी माझ्या सास-यांना मारण्यास मदत करावी, कारण त्याने त्यांच्या नावाने 60 कोटी रुपयांची विमा पॉलिसी काढली होती. मी नकार दिल्यावर त्यांनी मला जीवे मारण्याची धमकी दिली. एवढंच नव्हे तर त्याने माझाही 3 कोटींचा विमा काढला होता, असं तिने कबूल केलं.

कशी वाचली चौथी बायको?

ती पुढे म्हणाली, “माझ्या सास-यांच्या मृत्यूनंतर, विमा कंपनीचे तपासकर्ते आमच्या घरी येऊ लागले. मग मला जाणवले की तो मलाही अशाच प्रकारे मारू शकतो. एका रात्री विशालने मला इतके मारहाण केली की मी जवळजवळ मेले असते. पण मी माझ्या वडिलांना आणि भावाला फोन केला. त्यानंतर, मी त्यांच्यासोबत माझ्या

आईवडिलांच्या घरी गेलो. पण, विशालने मला अनेक वेळा परत बोलावण्याचा प्रयत्न केला, अगदी सहलीची ऑफरही दिली. पण मी त्याच्याकडे परत गेले नाहीच” असंही तिने नमूद केलं. अखेर पोलिसांनी विशाल आणि त्याच्या साथीदाराला अटक केली तेव्हा त्यांनी सर्व काही उघड केले. पोलिसांनी स्पष्ट केले की विशालने यापूर्वी विमा मिळविण्यासाठी खोटा वैद्यकीय अहवाल बनवला होता, ज्यामध्ये त्याने 22 जून 2017 रोजी त्याच्या आईचा अपघातात मृत्यू झाल्याचा दावा केला होता. या आधारे, त्याला प्रभा देवीच्या विमा पॉलिसीतून 25 लाख रुपये मिळाले. पण हे खोटे होते. विशालने त्याच्या आईची डोक्यात जड वस्तूने वार करून हत्या केली होती. विशालने पोलिसांना सांगितल की “मग मी 2022 मध्ये माझी पहिली पत्नी एकता सिंघल हिची हत्या केली. माझे एका प्रसिद्ध रुग्णालयाशी संबंध होते. मी त्यांचा वापर मला हवे असलेले कागदपत्रे तयार करण्यासाठी केला, जेणेकरून मला विम्याचे पैसे सहज मिळू शकतील.

नशा नगरी बनता वसई-विरार-मीरा-भायंदर !



विरार : वसई-विरार, मीरा-भायंदर क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी ने पिछले कुछ वर्षों में भयावह रूप ले लिया है। यह पूरा इलाका अब मादक पदार्थों की तस्करी का एक प्रमुख हब बनकर उभरा है, जिसने पूरे पुलिस प्रशासन को हिलाकर रख दिया है। चिंताजनक बात यह है कि अब यहां न केवल तस्करी हो रही है, बल्कि अवैध इंडस्ट्रियल गाले में चोरी-छिपे ड्रग्स बनाने की फैक्ट्रियां भी धड़ल्ले से चल रही हैं। जानकारी के अनुसार, तस्करी का सबसे बड़ा केंद्र नालासोपारा बन चुका है। यह घनी आबादी वाला क्षेत्र, खासकर जहां बड़ी संख्या में अवैध रूप से रह रहे नाइजीरियाई नागरिक बसे हुए हैं, अब ‘ड्रग्स हब’ के नाम से बदनाम हो रहा है।

मुलुंड इलाके में बस की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत!



मुंबई : मुलुंड इलाके में बस की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला फुपाथ पर खड़ी थी। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से सड़क पर गिर गई। इस दौरान बेस्ट बस की चपेट में आने से महिला की दर्दनाक मौत हो गई।

बेस्ट के प्रवक्ता ने बताया

कि यह घटना मुलुंड पश्चिम में पीके रोड पर पंच रास्ता (एमए चौक) पर हुई। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को मुंबई के मुलुंड इलाके में बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाय एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) द्वारा संचालित एक बस के पिछले पहिये के नीचे आकर 82 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई।

मुलुंड डिपो की ओर जा रही थी बस

बेस्ट के प्रवक्ता के अनुसार, बस मीरा रोड से मुलुंड डिपो की ओर जा रही थी और सुबह करीब 10:30 बजे एक सिग्नल पर रुकी। उन्होंने बताया कि पैदल यात्री उषाबेन जमनादास खेरानी फुटपाथ पर खड़ी थीं, तभी कथित तौर पर संतुलन बिगड़ने से वह बस के पास सड़क पर गिर गई। उन्होंने बताया कि जैसे ही सिग्नल हरा हुआ, बस चालक ने वाहन को आगे बढ़ा दिया, बिना यह महसूस किए कि खेरानी पिछले पहिये के नीचे फंस गए थे।

65 वर्षीय महिला की पत्थर से कुचलकर हत्या!

ठाणे : भिवंडी के गणेशपुरी क्षेत्र में एक 65 वर्षीय वृद्ध महिला की पत्थर से कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत फैल गई है। पुलिस ने इस मामले में रविंद्र गवते (40) नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मृतक महिला गणेशपुरी इलाके में रहती थी। मंगलवार को उसका शव खेत में खून से लथपथ और सिर पर गंभीर चोटों के साथ मिला।



स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर गणेशपुरी पुलिस और ठाणे ग्रामीण अपराध शाखा की टीम पहुंची। महिला की हत्या की खबर मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।



हेल्दी सैक्स भी बढ़ा सकते हैं कोलेस्ट्रॉल मिसलीडिंग फूड लेबल्स ऐसे करते हैं स्वास्थ्य को प्रभावित

हम लोग हेल्दी फूड्स समझकर कुछ ऐसी चीजें ले लेते हैं, जो हमारी हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए आपको बताएं कि मिसलीडिंग फूड लेबल्स कैसे आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

आज के समय में, लोग काफी-ज्यादा हेल्थ कॉन्शियस हो रहे हैं। वे लोग बाजार से ऐसी चीजें लेना पसंद करते हैं, जिनके लेबल में No Sugar, Low Fat or No Cholesterol जैसे क्लेम होते हैं। ये फूड लेबल हमारी डाइटरी चॉइस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मगर क्या आपको पता है कि ये लेबल्स कितने भ्रामक हो सकते हैं। ऐसे क्लेम करने वाले फूड लेबल्स असल में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सभी लेबल समान नहीं होते हैं। नो शुगर और लो फैट जैसे शब्दों का इस्तेमाल अक्सर उत्पादों को स्वस्थ विकल्पों के रूप में बेचने के लिए किया जाता है, लेकिन ये दावे सच को सचते हैं। न्यूट्रिशनल ने इस बारे में काफी बढ़िया जानकारी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। आइए आपको बताएं कि इन क्लेम का सच क्या होता है।

लो फैट फूड का सच

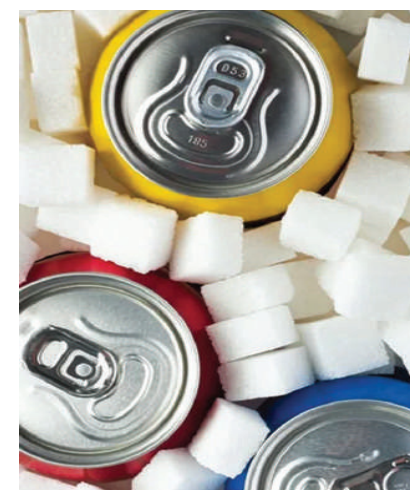


वजन को मेन्टेन या कम करने वाले लोग अक्सर ऐसे फूड्स की तलाश करते हैं, जिनमें लो फैट होता है। हालांकि, ये लो फैट फूड्स में हाई कैलोरी हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इनमें शुगर डाली जाती है और रिफाइनड आटे का इस्तेमाल होता है। फैट को हटाने पर स्वाद प्रभावित हो

सकता है, इसलिए निर्माता अक्सर शुगर या रिफाइनड कार्बोहाइड्रेट मिलाते हैं। ये एडेड शुगर वजन, टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को बढ़ाने और अन्य मेटाबोलिज्म संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकती हैं।

आवश्यक पोषक तत्व - प्राकृतिक फैट एसेंशियल पोषक तत्वों का स्रोत है, जैसे कि विटामिन-ए, डी, ई और के, जो विभिन्न शारीरिक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे लो फैट फूड आइटम्स में इन पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। इसलिए ऐसे फूड आइटम्स चुनते हुए कैलोरी कॉन्टेंट के साथ एसेंशियल न्यूट्रिएंट्स का भी ध्यान रखें।

शुगर-फ्री क्लेम का सच



चीनी का सेवन कम से कम करने के लिए हम शुगर फ्री चीजों की ओर भागते हैं। क्या आपको इस फूड लेबल का सच पता है? डायबिटीज से पीड़ित लोगों को ध्यान में रखकर ये प्रोडक्ट तैयार किए जाते हैं, लेकिन ये असल में नुकसानदेय हो सकते हैं। इन फूड्स में फैट्स की मात्रा ज्यादा होती है। ये कैलोरी के लोड को बढ़ा देता है। शुगर-फ्री प्रोडक्ट्स में आर्टिफिशियल स्वीटनर्स या शुगर अल्कोहल होते हैं। ये सब्स्टीट्यूट भले ही ब्लड शुगर लेवल को न बढ़ाएं, लेकिन अन्य हेल्थ संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। कुछ शुगर अल्कोहल के कारण पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके लॉन्ग-टर्म इफेक्ट्स भी होते हैं। कैलोरी कॉन्टेंट - शुगर फ्री होने का मतलब यह नहीं है कि फूड आइटम्स में कैलोरी भी कम हो। ये फैट्स की भरपूर मात्रा के साथ आते हैं, इसलिए ऐसे किसी भी तरह की चीज को लेने से पहले उसके लेबल को जांचें और कैलोरी कॉन्टेंट पर ध्यान दें।

नो कोलेस्ट्रॉल क्लेम का सच



किसी डिब्बे में नो कोलेस्ट्रॉल देखकर ही मन खुश हो जाता है कि यह हेल्थ के लिए अच्छा है मगर ऐसा नहीं होता है। इसे हेल्दी हार्ट के लिए अच्छा माना जाता है। आमतौर पर प्लांट-बेस्ड ऑयल्स इसका क्लेम करते हैं, लेकिन उनमें फैट्स की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। कई सारे प्लांट-बेस्ड और प्रोसेस्ड फूड्स में ट्रांस फैट या सैचुरेटेड फैट्स का हाई लेवल हो सकता है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकता है। इससे दिल संबंधी बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं।

न्यूट्रिशन प्रोफाइल - जरूरी है कि आप अपने प्रोडक्ट के न्यूट्रिशनल प्रोफाइल पर गौर करें। उसमें कोलेस्ट्रॉल है या नहीं सिर्फ ये न देखें। हाइड्रोजेनेटेड ऑयल्स और सोडियम के हाई लेवल के कारण आपकी हेल्थ को नुकसान पहुंच सकता है।

फूड लेबल देखते हुए ध्यान रखें ये बातें

इंग्रीडिएंट लिस्ट पढ़ें

फूड लेबल में इंग्रीडिएंट लेबल को गौर से पढ़ें। अनहेल्दी फैट और आर्टिफिशियल एडिटिव्स की जांच करें।

पोषण संबंधी फैक्ट्स को एनालाइज करें

टोटल फैट, सैचुरेटेड फैट, ट्रांस फैट, अतिरिक्त शुगर और सोडियम के बारे में जानकारी के लिए पोषण फैक्ट पैनल को पढ़कर एनालाइज जरूर करें। इससे आपको उत्पाद के ओवरऑल पोषण मूल्य के बारे में स्पष्टता से पता चलेगा।

भाग के आकार को समझें

लेबल अक्सर प्रति सर्विंग पोषण संबंधी जानकारी के बारे में बताते हैं। सर्विंग साइज के बारे में सावधान रहें।

अब अगर आप भी इन फूड लेबल्स को देखें, तो ध्यान रखें कि यह भ्रामक लेबल्स आपके लिए कितने हानिकारक हो सकते हैं। ऐसे किसी भी क्लेम वाले फूड को आहार में शामिल करने से पहले अपने सलाहकार से बात करें।



सेहतमंद रहने के लिए डाइट में शामिल करें ये 5 बीज, जानें खाने का सही समय और तरीका

सेहतमंद रहने के लिए हेल्दी डाइट बहुत जरूरी है। अगर आप न्यूट्रिएंट्स से भरपूर डाइट लेती हैं, तो बीमारियों से बची रहती हैं। हमारे किचन में भी कई ऐसे मसाले और हर्ब्स मौजूद होते हैं, जिन्हें अगर आप सही तरह से डाइट में शामिल करेंगे, तो सेहतमंद रहने में मदद मिल सकती है।

इसके अलावा कुछ नट्स और सीड्स भी गुणों से भरपूर होते हैं। सीड्स में कई तरह के न्यूट्रिएंट्स होते हैं। महिलाओं की फर्टिलिटी, पीरियड्स और अन्य कई तरह की दिक्कतों को दूर करने में सीड्स मदद कर सकते हैं। खासकर, कुछ सीड्स तो गुणों की खान होते हैं। लेकिन, आपको इसे खाने के सही तरीके के बारे में पता होना चाहिए। यहां हम आपको 5 सीड्स और उन्हें खाने के सही तरीके व समय के बारे में बता रहे हैं।

एक्सपर्ट के मुताबिक, सौंफ के बीज सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये कब्ज दूर करते हैं। इनसे डाइजेशन सुधरता है और वजन कम करने में भी मदद मिलती है।

- जिन लोगों को खाने के बाद पेट में गैस या एसिडिटी होती है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए। लंच के बाद आप 1 चम्मच सौंफ को पानी में उबालकर पिएं।
- कद्दू के बीजों में मैग्नीशियम होता है। ये इंसुलिन सेंसिटिविटी को सुधारते हैं। ये कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी मदद करते हैं और महिलाओं की हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।
- आप मिड-मील में फल खाएं। उनके ऊपर कुछ कद्दू के बीजों को छिड़क लें।
- सूरजमुखी के बीज सेलेनियम से भरपूर होते हैं। ये एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं और इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये दिल के रोगियों के लिए फायदेमंद होते हैं। इनसे शरीर को ताकत मिलती है, कब्ज दूर होती है और बालों का झड़ना कम होता है।
- शाम के वक्त 1 टीस्पून सूरजमुखी के बीज खाएं।
- चिया सीड्स में ओमेगा-3 फैटी एसिड्स होते हैं। ये बालों और स्किन के लिए बहुत जरूरी होते हैं।
- चिया सीड्स में फाइबर, प्रोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इनसे वजन कम होता है, शुगर कंट्रोल होती है और एजिंग के साइन्स भी कम होते हैं।
- मिड मील में 1 गिलास चिया सीड्स का पानी पिएं।
- धनिया के बीज थायराइड में बहुत फायदेमंद होते हैं। ये थायराइड फंक्शन को बूस्ट करते हैं, मेटाबोलिज्म को सुधारते हैं और वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं। इनसे खून की कमी भी दूर होती है। खाली पेट धनिया के बीजों की 1 कप चाय पिएं।

सेहतमंद रहने के लिए इन 5 बीजों को एक्सपर्ट के बताए तरीके से डाइट में शामिल करें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

विकास प्रकल्पांनी निश्चित केलेल्या मुदतींचे पालन केले पाहिजे आणि उच्च दर्जा राखला पाहिजे - एकनाथ शिंदे



मुंबई : जिल्हा नियोजन आणि विकास समिती (डीपीडीसी) च्या बैठकीत, महाराष्ट्राचे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यांनी गुणवत्ता सुनिश्चित करताना विकास प्रकल्प निर्धारित वेळेत पूर्ण करण्याचे महत्त्व अधोरेखित केले. मुंबई शहराचे पालकमंत्री म्हणून, शिंदे यांनी अधोरेखित

केले की शहराच्या सर्वांगीण विकासासाठी प्रकल्प वेळेवर आणि गुणात्मकरित्या पूर्ण करणे अत्यंत महत्त्वाचे आहे. डीपीडीसीचे सदस्य असलेले शिवसेना यूबीटी आमदार आदित्य ठाकरे सलग दुस-यांदा बैठकीला अनुपस्थित होते. त्यांचे पक्षाचे सहकारी, मुंबई दक्षिणचे

खासदार अरविंद सावंत आणि मुंबई दक्षिण मध्यचे अनिल देसाई हे देखील अनुपस्थित होते. सर्व शाश्वत विकास उद्दिष्टांमध्ये मुंबई शहर जिल्हा आघाडीवर ठेवण्यासाठी प्रत्येक योजना प्रभावीपणे अंमलात आणली पाहिजे यावर शिंदे यांनी भर दिला. शिंदे यांच्या कार्यालयातून

आलेल्या निवेदानानुसार, त्यांनी पुनरुच्चार केला की डीपीडीसी अंतर्गत येणा-या सर्व विकास प्रकल्पांनी निश्चित केलेल्या मुदतींचे पालन केले पाहिजे आणि उच्च दर्जा राखला पाहिजे. २०२५-२६ च्या वार्षिक जिल्हा योजनेसाठी, सामान्य योजनांसाठी ५२८ कोटी रुपये वाटप करण्यात आले आहेत,

तर अनुसूचित जातींशी संबंधित प्रकल्पांसाठी अतिरिक्त २२ कोटी रुपये राखून ठेवण्यात आले आहेत. मंजूर कामे आणि निधी निर्दिष्ट कालावधीत वापरण्याचे आवाहन शिंदे यांनी केले. त्यांनी प्रलंबित गृहनिर्माण प्रकल्पांना सुव्यवस्थित करण्यास प्राधान्य दिले, झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण

(एसआरए), मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए), सिडको, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) आणि म्हाडा यांसारख्या संस्थांना प्रभावीपणे सहकार्य करण्याचे निर्देश दिले.

नेरुळ-उरण मार्गावरील प्रवाशांची गर्दी लवकरच कमी होईल; हार्बर मार्गावर दोन नवीन स्थानके सुरु होतील

मुंबई : रहिवाशांसाठी आनंदाची बातमी. मुंबई लोकल ट्रेनच्या नेरुळ-उरण मार्गावर लवकरच प्रवासी गर्दी कमी होईल. नवीन गाड्या सुरु केल्या जातील आणि गाड्यांची वारंवारता वाढवली जाईल, ज्यामुळे प्रवासी गर्दी लक्षणीयरीत्या कमी होईल. याव्यतिरिक्त, हार्बर मार्गावर लवकरच दोन नवीन स्थानके उघडली जातील, ज्यामुळे प्रवाशांना दोन नवीन स्थानके उपलब्ध होतील. अलीकडेच, हार्बर मार्गावर नेरुळ ते उरण रेल्वे मार्ग उघडण्यात आला,



ज्यामध्ये खारकोपर ते उरण विभाग आता कार्यरत आहे. सध्या, नेरुळ-उरण मार्गावर ११ स्थानके आहेत, त्यापैकी दोन स्थानकांचे काम जवळजवळ

पूर्ण झाले आहे. अधिक जाणून घ्या: ती दोन मनोरंजन केंद्रे कोणती आहेत? उरण मार्गावर गव्हाण आणि तरघर या दोन रेल्वे स्थानकांचे बांधकाम सुमारे

१० टक्के पूर्ण झाले आहे. लवकरच ही स्थानके जनतेसाठी खुली होतील अशी अपेक्षा आहे. तरघर रेल्वे स्थानक नवी मुंबई विमानतळाजवळ आहे, ज्यामुळे मुंबईहून येणा-या प्रवाशांना लक्षणीय सुविधा मिळत आहे. बेलापूर आणि बामणडोंगरी दरम्यान तर खारकोपर आणि शेमाटीखार दरम्यान गव्हाण स्टेशन बांधले जाईल. नवी मुंबई आंतरराष्ट्रीय विमानतळ देखील नजीकच्या भविष्यात सुरु होणार आहे. विमानतळाजवळील तरघर रेल्वे स्थानकाचे काम अंतिम टप्प्यात आहे.

म्हाडाने “म्हाडासाठी” एआय चॅटबॉट सेवा सुरु केली, नागरिकांना तंत्रज्ञानाशी जोडली

मुंबई : महाराष्ट्र गृहनिर्माण आणि क्षेत्र विकास प्राधिकरणाने (म्हाडा) “म्हाडासाठी” एआय चॅटबॉट सेवा सुरु करून नागरिकांना पुन्हा एकदा तंत्रज्ञानाशी जोडले आहे. म्हाडाचे उपाध्यक्ष आणि मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव जयस्वाल यांच्या हस्ते हे लाँच करण्यात आले. “म्हाडासाठी” चॅटबॉट आता नागरिकांना त्यांच्या घरातूनच अचूक आणि विश्वासाहर् माहिती प्रदान करेल. सुरुवातीला, ही सेवा म्हाडाच्या अधिकृत वेबसाइटवर उपलब्ध असेल आणि लवकरच ती मोबाईल ॲपवर आणली जाईल. यामुळे लोकांना कार्यालयात जाण्याची आणि बराच वेळ वाट पाहण्याची गरज दूर होईल. हा

चॅटबॉट मराठी आणि इंग्रजी दोन्ही भाषेत उपलब्ध आहे. म्हाडाच्या सर्व नऊ विभागांशी संबंधित माहिती एकाच ठिकाणी सहज उपलब्ध करून देतो. त्यात व्हॉइस-आधारित वैशिष्ट्य देखील आहे, ज्यामुळे संवाद साधणे सोपे होते. महत्त्वाचे म्हणजे, हा एआय चॅटबॉट अर्जदारांना मुंबईतील गृहनिर्माण लॉटरीसाठी अर्ज करताना येणा-या सर्व समस्या सोडवण्यास मदत करेल. या चॅटबॉटद्वारे, लोक लॉटरी प्रणाली, अजाची स्थिती, निविदा, गृहनिर्माण प्रकल्प आणि नवीन नियमांशी संबंधित माहिती त्वरित मिळवू शकतील. याचा अर्थ नागरिकांना आता पारदर्शकता आणि वेळ बचत दोन्हीचा आनंद घेता येईल.

मुंबईजवळील शहरात तब्बल 4 कोटींचा महाघोटाळा, 100 हून अधिक कुटुंब कंगाल

मुंबई, जास्त आणि आकर्षक परताव्याचे आमिष दाखवून डोंबिवलीतील १०० हून अधिक सामान्य गुंतवणूकदारांना कोट्यवधी रुपयांचा गंडा घालणा-या फिनिक्स इन्व्हेस्टमेंट प्रकरणाचा अखेर पदार्फास झाला आहे. या घोटाळ्याप्रकरणी ठाणे आर्थिक गुन्हे अन्वेषण शाखेने चार मुख्य आरोपींना अटक केली आहे. तर अन्य चार आरोपींचा शोध अद्याप सुरु आहे. या प्रकरणी फसवणुकीची एकूण रक्कम ४ ते

५ कोटी रुपयांपर्यंत पोहोचल्याची माहिती समोर आली आहे. **नेमकं काय घडलं?** “फिनिक्स इन्व्हेस्टमेंट” आणि “फिनिक्स फायनान्शियल सोल्युशन एल.एल.पी.” या नावाखाली भागीदारी संस्था सुरु करून आरोपींनी हा घोटाळा रचला. गुंतवणूकदारांना त्यांच्या गुंतवणुकीवर मोठा नफा आणि आकर्षक बोनस स्कीम्सचे खोटे आश्वासन दिले गेले. सुरुवातीच्या काळात काही गुंतवणूकदारांना



थोडाफार नफा देऊन त्यांनी मोठ्या प्रमाणात लोकांचा विश्वास संपादन केला. विश्वास बसल्यानंतर लोकांनी मोठ्या रकमा गुंतवल्या,

पण नंतर आरोपींनी मूळ रक्कम आणि कोणताही परतावा देणे पूर्णपणे थांबवले. गुंतवणूकदारांची फसवणूक

मोठ्या प्रमाणावर झाल्याने या संदर्भात डोंबिवली पोलीस ठाण्यात सुमारे ८० हून अधिक तक्रारी दाखल झाल्या होत्या. फसवणुकीची रक्कम कोट्यवधींच्या घरात गेल्याने या गुन्ह्याचा तपास ठाणे ईओडब्ल्यू कडे वर्ग करण्यात आला. ईओडब्ल्यू च्या टीमने तांत्रिक आणि भौतिक पुराव्यांच्या आधारे तपास करून या चार मुख्य आरोपींना अटक केली. गौरव भागत, विकीन पाटणे, देवेंद्र तांबे आणि अमोल तायडे अशी या

प्रकरणी अटक करण्यात आलेल्या आरोपींची नावे आहेत.

आमिषाला बळी पडू नका, पोलीसांचे आवाहन

अटक केलेल्या आरोपींना कल्याण न्यायालयात हजर करण्यात आले. न्यायालयाने या आरोपींना ६ ऑक्टोबरपर्यंत पोलीस कोठडी सुनावली. पोलीस कोठडीदरम्यान आरोपींकडून घोटाळ्यातील रकमेचा तपशील, ती कुठे गुंतवली किंवा वळवली गेली याचा तपास केला जाईल.

Uddhav and Raj Thackeray Join Forces in 'Satyacha Morcha' Against Voter List Irregularities

Mumbai : In a rare political moment, Uddhav Thackeray, Raj Thackeray, and Sharad Pawar came together in Mumbai on 1st of November for the "Satyacha Morcha" — a joint protest by the Maha Vikas Aghadi (MVA) and Maharashtra Navnirman Sena (MNS) against alleged irregularities in Maharashtra's voter lists. The massive rally began at Fashion Street and ended at the BMC headquarters,



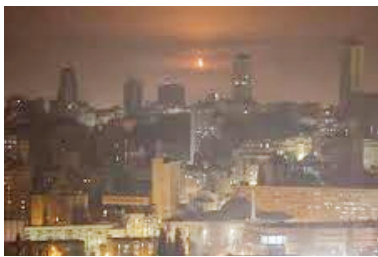
where opposition leaders slammed the Election Commission for duplicate names, wrongful deletions, and

fake additions in the rolls. Thousands of supporters filled South Mumbai streets, chanting slogans for fair democracy. Uddhav

and Raj Thackeray both accused the Commission of weakening public trust, while Sharad Pawar said the protest was a fight for truth, not politics. Despite the heavy turnout and traffic diversions, the rally remained peaceful. The event marked a symbolic moment of unity among Maharashtra's opposition leaders, demanding transparency and accountability before the upcoming elections.

Russian Missile Strikes On Ukraine Hit 2.5-Year High In October: Report

Russia fired more missiles at Ukraine in October than in any month since at least the start of 2023 as it pounded the country's energy grid in night-time attacks, an AFP analysis of Ukrainian data showed. Russian strikes have caused sweeping blackouts affecting tens



of thousands of people, with Moscow targeting Ukraine's power grid for the fourth winter running in what Kyiv and its backers say is a deliberate and cynical strategy to wear down Ukraine's civilian population.

Russia's army fired 270 missiles over October, up 46 per cent on the previous month, according to an AFP analysis of daily data published by Ukraine's air force. That was the highest one-month tally

since Kyiv started routinely publishing statistics at the beginning of 2023. Ukrainian President Volodymyr Zelensky has accused Russia of wanting to sow "chaos" by striking the country's energy grid so intensely.

"Russia's task is to create chaos and apply psychological pressure on the population through strikes on energy facilities and railways," Zelensky told journalists, including AFP, at a briefing

last month. As in previous winters, rolling blackouts have been introduced in every region of the country, including Kyiv, throughout October to deal with shortfalls in power.

The International Criminal Court (ICC) in the Hague last year issued arrest warrants for top Russian army officials for the "war crime of causing excessive" harm to civilians by striking Ukrainian energy sites.

Russia also fired 5,298 long-range drones at Ukraine in October, the same data showed -- down by around six per cent on the number it fired in September but still close to record highs. Russia fires drones at Ukrainian cities and energy sites on a daily basis.

Masked gunmen fire inside jewellery shop in Palghar's Boisar, flee with fake ornaments



A daylight robbery attempt at a jewellery shop in Boisar's Ganesh Nagar on Friday morning turned chaotic when two masked gunmen opened fire and fled with imitation jewellery worth barely Rs 5000. The incident occurred around 11.30 am at Chaturbhuj Nath Jewellers, where two men on a motorbike stormed in and fired two rounds. Luckily, no one was injured. In their panic, the duo escaped with about one gram of imitation ornaments and even left their firearm behind.

Prashant Kishor Wants Name Deleted From Bengal Voter List Amid Row: Sources

Days after he was sent a notice to explain his name appearing in voter lists in two states, Jan Suraj party founder Prashant Kishor has submitted an application for its deletion in West Bengal, Election Commission sources have said. The application, they said, was submitted on October 25, just two days before the Special Intensive Revision (SIR) for the state was announced.

After a newspaper report stated that the poll strategist-turned-politician was listed as a voter in ward number 621 in the Maniktala Assembly constituency under the North Kolkata parliamentary constituency as well as in Bihar's Karakat Assembly Constituency, the Election Commission had sent a notice



to him on October 28.

"As per Section 17 of the Representation of the People Act, 1950, no person shall be registered in the electoral rolls of more than one constituency. Violation of this provision attracts penal action under Section 31 of the Representation of the People Act, 1950, which provides for imprisonment or fine, or both... Please present your explanation within three days,"

the poll body said in the notice.

Kishor hit back within hours, asking why his name was not deleted during the SIR exercise in Bihar if there was duplication. "If my name appears in two voter lists, the Election Commission should explain why my name wasn't deleted when SIR was effected in Bihar. My name has been in Karakat since 2019. I went to Bengal for two years in between, so I was a voter

there. Why is the Election Commission sending a notice? If it's my fault, arrest me," he had said.

Through his Jan Suraj party, Kishor is attempting to present a third alternative in Bihar after the NDA and the Mahagathbandhan. Speaking at the Bihar Power Play Conclave on Saturday, the former poll strategist said his party will either do very well or very badly, winning less than 10 or more than 150 of the state's 243 seats.

Kishor said his party would not ally with anyone else if it failed to get the mandate and would continue its work, adding that he could "give this in writing". Pressed to actually do so, the poll-strategist-turned-politician obliged.



Prime Minister Modi paid tribute to Sardar Patel at the Statue of Unity in Kevadia

Kevadia. Prime Minister Narendra Modi paid tribute to Sardar Patel at the Statue of Unity in Kevadia, Narmada district, Gujarat, on Friday, marking the 150th birth anniversary of the Iron Man of India. The Prime Minister said that the Statue of Unity is a magnificent monument dedicated to Sardar Patel, a powerful symbol of his vision for India's unity and strength. As the world's tallest statue, the monument symbolizes national pride and collective resolve, inspiring us to realize Sardar Patel's dreams. Prime Minister Modi wrote on Twitter, "Paid tribute to Sardar Vallabhbhai Patel at the Statue of Unity in Kevadia. The Statue of Unity is a magnificent monument dedicated to Sardar Patel, a powerful symbol of his vision for India's unity."

A parade of various states was held in Ekta Nagar, Gujarat, and Prime Minister Modi took the salute

Prioritizing women's empowerment, women commanded various forces and demonstrated strong leadership

Gandhinagar. A grand celebration of National Unity Day was held in Ekta Nagar, Gujarat, in the presence of Prime Minister Narendra Modi, to mark the 150th birth anniversary of the Iron Man of India, Sardar Vallabhbhai Patel. Police forces, security forces, and bands from various states paraded during the parade. Prime Minister Modi took the salute. Prioritizing women's empowerment, women commanded various forces and demonstrated their strong leadership. Various forces and bands participated in the parade. These included Border Security Force and BSF Band, ITBP (Indo-Tibetan Border Police), CISF (Central Industrial Security Force) and CISF Band, CRPF Band, SSB Band, Delhi Police Band, besides police contingents from states like Andhra Pradesh, Assam, Chhattisgarh, Jammu & Kashmir, Punjab, Madhya Pradesh, Odisha, Maharashtra, Kerala, Tripura etc., NCC Foot Contingent, Mounted Contingent (Dog and Horse Riding Squad), Camel Contingent and Camel Mounted Band and Cleaning Machine Contingent. These contingents gave a symbolic display of national unity, peace, discipline and women empowerment.

Japan's Mizuho Bank expressed interest in investing in Greater Noida

Gautam Buddha Nagar. A four-member delegation from Japan's Mizuho Bank met with several officials, including the CEO of the Greater Noida Authority, today to explore investment opportunities. The foreign delegation praised the infrastructure of Greater Noida and the Integrated Industrial Township. An authority official stated that a four-member delegation from Japan's Mizuho Bank met on Friday with Greater Noida Authority CEO and IITGNL Managing Director N.G. Ravi Kumar, ACEO Srilakshmi V.S., ACEO Prerna Singh, and other officials. During the meeting, the authority provided detailed information about the infrastructure of Greater Noida and the Integrated Industrial Township to the Japanese delegation. The Japanese delegation praised the infrastructure of Greater Noida and the Integrated Industrial Township.

An authority official stated that the delegation appreciated the Integrated Industrial Township's plug and play system, waste processing system, and power infrastructure and expressed interest in investing there. The entire IITGNL team was present during the meeting. Mizuho Bank is a leading Japanese financial services group, part of the Mizuho Financial Group.

मेरा दाऊद इब्राहिम से दूर-दूर तक लेना देना नहीं, पर वह आतंकवादी नहीं था

—अभिनेत्री से साध्वी बनी ममता के बयान से सोशल मीडिया पर मची हलचल



मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री से साध्वी बनी ममता कुलकर्णी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। ग्लैमरस भरी जिंदगी छोड़ अध्यात्मिक राह पर चली ममता अपने बयानों को लेकर चर्चा बटोरती हैं। हाल ही में वह डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर दिए बयान को लेकर खबरों में हैं। हाल ही में जब उनसे गोरखपुर में डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि मेरा दाऊद से दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं था। किसी एक का नाम जरूर था, लेकिन आप देखोगे उसने कोई बम ब्लास्ट या एंटी नेशनल चीज नहीं की थी। देश के अंदर, मैं उनके साथ तो नहीं हूँ...वह आतंकी नहीं था, जिनके साथ आप मेरा नाम लेते हो, उन्होंने मुंबई में बम ब्लास्ट नहीं किया। दाऊद को मैं अपने जीवन में कभी नहीं मिली। इस बयान के बाद ममता कुलकर्णी सुर्खियों में हैं।

दरअसल, ममता कुलकर्णी का नाम विक्री गोस्वामी के साथ जुड़ा रहा है, माना जा रहा है कि डॉन दाऊद के सवाल पर विक्री गोस्वामी का नाम लिए बिना कहा कि वो आतंकवादी नहीं थे। ऐसे में

दाऊद इब्राहिम के समर्थन में ममता के चौकाने वाले बयान ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है।

अपने ही बयान पर ममता कुलकर्णी ने सफाई देते हुए कहा कि बयान को ठीक तरीके से सुने और साधु-संत विवेक का इस्तेमाल करें। उनका नाम कभी दाऊद से नहीं जुड़ा... कुछ समय के लिए विक्री गोस्वामी से जुड़ा था, लेकिन उसका नाम कभी देश विरोधी गतिविधियों में नहीं आया। बता दें ममता महामंडलेश्वर यमाई किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर लक्ष्मी किन्नर के साथ गोरखपुर में एक कार्यक्रम का हिस्सा बनीं। 90 के दशक में अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाली ममता कुलकर्णी अब संन्यास ले चुकी हैं और अब महामंडलेश्वर यमाई ममता नंदगिरी बन गई हैं।

सरदार पटेल ने एकजुट करके आधुनिक भारत का स्वरूप प्रदान किया: कुमार विश्वास

नोएडा (एजेंसी)। सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कवि कुमार विश्वास ने आधुनिक भारत के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत के नक्शे को निर्माण करने की दिशा में सरदार वल्लभ पटेल ने उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि तत्कालीन नीति नियंताओं की वजह से इस देश को विभाजित करना पड़ा था। ऐसी स्थिति में भारत को एकजुट करने की दिशा में सरदार पटेल के योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुमार विश्वास ने कहा कि भारत की आजादी के बाद जिस तरह से सभी रियासतों को सरकार पटेल ने एकजुट करके आधुनिक भारत का स्वरूप प्रदान किया, उसे देश कभी नहीं भूल सकता है। आज हम उन्हीं की स्मृति में दौड़ रहे हैं। हम



यह कामना करते हैं कि जिस गति के साथ हमारा देश मौजूदा समय में प्रगति कर रहा है, आगे भी उसी गति के साथ प्रगति करता रहे। देश की प्रगति के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत पर भी कुमार विश्वास ने खुशी जताते हुए कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को

बहुत-बहुत शुभकामनाएं। बेटियां हमेशा से ही भारत का नाम ऊंचा करती आई हैं। बेटियों ने देश के लोगों को गौरवान्वित किया है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

मिस यूनिवर्स श्रेरी सिंह ने भी सरदार पटेल की जयंती पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि हमारे देश में विविधता के बावजूद भी एकता बनी रहे। यह हमारी ताकत है। मैं यही चाहूंगी कि हमारे घर की बेटियां खुले आसमान में आगे बढ़ें। उन्हें बंधनमुक्त समाज मिले। उन्हें भी आगे बढ़ने की संभावना मिले। यूट्यूबर अमित भड़ना ने सरकार पटेल की जयंती पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि इस खास मौके पर नोएडा में इतने बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को भी जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि

हमारी महिला क्रिकेट टीम ने शानदार जीत हासिल की है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। मैच दिलचस्प रहा। भारतीय महिला टीम की जीत उनके सशक्तिकरण का प्रतीक है। सभी महिला खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। गायक गिरिक अमन ने सरदार पटेल की जयंती पर नोएडा पुलिस की तरफ से आयोजित किए गए रन फॉर यूनिटी की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन में शामिल हुए सभी युवाओं के बीच उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है, जो कि हम सभी लोगों के लिए अच्छी बात है। मैं तो चाहता हूँ कि इसी तरह का आयोजन आगे भी होते रहे। हमारी खाहिश है कि हमारा भारत सोने की चिड़िया बने।

बुजुर्ग ने रोकी राबड़ी की कार, कहा— आप राघोपुर को सौतेला मानते हैं, आपदा में भी नहीं आए

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर है। यहां अपने अपने विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशी घर घर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कोशिश के चलते पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी राजद की परंपरागत सीट राघोपुर पहुंची और राजद के लिए वोट मांगे। इसी दौरान एक बुजुर्ग ने उनकी कार रोकी और कहा कि अब चुनाव आ गए हैं तो वोट मांगने आए लोग आ गए। उस वक्त कहाँ थे जब हम लोग बाढ़ की आपदा से जुझ रहे थे। आप लोग राघोपुर को सौतेला बेटा मानते हैं क्या? इस राबड़ी देवी हाथ जोड़ती नजर आई और जनता के गुरू से देखते हुए बिना कुछ बोले आगे बढ़ गई। वायरल वीडियो ने सबका ध्यान खींच लिया है। राबड़ी देवी, जो अपने बेटे तेजस्वी यादव के लिए प्रचार करने राघोपुर पहुंची थीं, उन्हें जनता के तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। राघोपुर सीट लालू परिवार का परंपरागत गढ़ मानी जाती है। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी यहां से कई बार विधायक रह चुके हैं, और तेजस्वी यादव भी 2015 से इसी सीट से चुनाव जीतते आए हैं। लेकिन इस बार हालात कुछ बदले—बदले नजर आ रहे हैं। राबड़ी देवी ने समझाने की कोशिश करते हुए कहा, राघोपुर बिहार का सबसे प्यारा विधानसभा क्षेत्र है। लेकिन बुजुर्ग का गुस्सा शांत नहीं हुआ, उन्होंने जवाब दिया — तेजस्वी बाढ़ में नहीं, सिर्फ चुनाव में भूमते हैं। स्थिति को भांपते हुए राबड़ी देवी ने शांत भाव से बुजुर्ग की बातें सुनीं और हाथ जोड़कर आगे बढ़ गईं।

राज ठाकरे ने शिंदे को दी चुनौती कहा- अगर नमो सेंटर बनाए गए तो हम तोड़ देंगे

मुंबई (एजेंसी)। कभी हिंदी के नाम पर तो कभी बाहरी के नाम पर आए दिन मारपीट और थपड़बाजी के लिए पहचान बना चुकी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना यानी मनसे ने अब एक नया मसला प्रकट किया है। मसला ये है कि खुद मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा है कि अगर ऐतिहासिक किलों पर नमो पर्यटन केंद्र बनाए गए, तो उन्हें तोड़ देंगे। खबरें थी कि राज्य सरकार ने ऐसे केंद्रों के लिए 20 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इसके अलावा ठाकरे ने चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में ठाकरे ने मनसे कार्यकर्ताओं से कहा, कुछ अखबारों में खबरें छपी हैं कि राज्य सरकार हमें छत्रपति शिवाजी महाराज के किलों पर नमो टूरिज्म सेंटर बनाने की योजना बना रही है। यह शहरी विकास विभाग के तहत हो रहा है, जो एकनाथ शिंदे की अगुवाई है। उन्हें एक नमो केंद्र बनाने दो, हम उसे तबाह कर देंगे। ये आम स्थल नहीं हैं। ये स्थल महाराष्ट्र के लिए



पवित्र हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिंदे को लेकर उन्होंने कहा, सिर्फ उपमुख्यमंत्री बने रहने के लिए कितनी चापलूसी की जरूरत है? शायद प्रधानमंत्री को भी अंदाजा नहीं है कि यहां कितनी चटुकारिता हो रही है।

ईवीएम के मुद्दे पर उद्धव के साथ खड़े है राज

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार और मनसे अध्यक्ष राज सहित महाविकास अघाडी के शीर्ष नेता मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं के खिलाफ मुंबई में एक नवंबर को होने वाले

विपक्ष के विरोध मार्च का नेतृत्व करेंगे। गुरुवार को उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे और पवार ने यहां एक बैठक की, जिसमें संयुक्त रैली की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता नसीम खान, शेतकरी कामगार पक्ष के जयंत पाटिल और वामपंथी दलों के नेता भी मौजूद थे।

विरोध मार्च का समर्थन करेगी कांग्रेस

पूर्वी महाराष्ट्र में गृहनगर बुलढाणा में पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि उनकी पार्टी विरोध मार्च का पूरी तरह से समर्थन करती है। हालांकि, खुद मार्च में भाग लेने के सवालों को वह टाल गए। सपकाल ने कहा, कोई एक नेता महत्वपूर्ण नहीं हैं। जो भी जाएगा, वह पार्टी का प्रतिनिधित्व करेगा। महत्वपूर्ण बात मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित करने और उन्हें अपडेट करने की मांग है। यह मुद्दा (मतदाता सूचियों में अनियमितताओं का) सबसे पहले कांग्रेस ने उठाया था।

साल 2025 में अब तक 2,790 भारतीयों को अमेरिका से भारत भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों को दृढ़ प्रशासन ने वापस भारत भेज दिया है। साल 2025 में अब तक 2,790 भारतीयों को अमेरिका से वापस भेजा गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ये व्यक्ति मानदंडों को पूरा नहीं करते थे और वहां अवैध रूप से रह रहे थे। उन्होंने कहा, इस साल जनवरी से अब तक हमारे पास ऐसे लगभग 2,790 से अधिक भारतीय नागरिक हैं जो मानदंडों को पूरा नहीं करते थे। वे वहां अवैध रूप से रह रहे थे। हमने उनकी साख और राष्ट्रीयता की जांच की। वे लौट आए हैं।

प्रवक्ता जायसवाल ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक मामले की जांच की गई ताकि व्यक्ति की भारतीय राष्ट्रीयता की पुष्टि हो सके, उसके बाद ही प्रत्यावर्तन किया गया। उन्होंने कहा, हमने उनकी साख और राष्ट्रीयता की जांच की, उसके बाद



वे लौटें। उन्होंने जोर दिया कि निर्वासन भारत और अमेरिकी अधिकारियों के बीच स्थापित कानूनी और कूटनीतिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए किए गए। अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश करने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या में तेज गिरावट आई है, जो चार साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा की ओर से यह जानकारी दी गई। अक्टूबर 2024 से सितंबर 2025 के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने बिना अनुमति के देश में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले 34,146 भारतीयों

को हिरासत में लिया, जो पिछले वित्तीय वर्ष में दर्ज 90,415 हिरासतों से 62 प्रतिशत की गिरावट है। 28 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने इसे ऐसी घटनाओं में तेज और निरंतर गिरावट बताया है। एमईए प्रवक्ता ने यूनाइटेड किंगडम से निर्वासन के सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इस साल सत्यापन के बाद लगभग 100 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा गया है। उन्होंने कहा, यूके की ओर से इस साल हमारे पास लगभग 100 भारतीय नागरिक हैं जिन्हें उनकी राष्ट्रीयता की हमारी ओर से उचित जांच के बाद निर्वासित किया गया है। भारत और उसके अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के बीच अवैध प्रवेश और वीजा ओवरस्टे का मुद्दा गरमाया हुआ है। ये आंकड़े अवैध प्रवासन को अधिक प्रभावी ढंग से रोकने के चल रहे प्रयासों को उजागर करते हैं।

अब राफेल होगा और अधिक शक्तिशाली, वायुसेना को मिलेंगी मेटेओर मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में मिली बड़ी कामयाबी के बाद भारतीय वायुसेना में और जेश भर गया है। इसके बाद से सेना के अपडेट होने की गति भी बढ़ी है। इसी कड़ी में अब भारतीय वायुसेना अब अपनी मारक क्षमता को और मजबूत करने जा रही है। जल्द ही बड़ी संख्या में 'मेटेओर एयर-टू-एयर' मिसाइलें खरीदने की योजना बना रही है। ये मिसाइलें भारत की ब्रिचॉन्ड-विजुअल-रेंज (बीवीआर) क्षमता को नई ऊंचाई देंगी। इन यूरोपीय निर्मित मिसाइलों में 'मैजेट प्रणोदन' प्रणाली है, जो इन्हें उच्च गति, लंबी मारक दूरी और 'पहला वार, पहली जीत' में दक्षता

प्रदान करती है। बता दें कि पहलगांम हमले के बाद भारतीय सेना पाकिस्तान को नाक से चने बीनने को मजबूर कर दिया था।

एमबीडीए कंपनी से इन मिसाइलों की खरीद का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय में विचाराधीन बताया जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, जल्द ही उच्चस्तरीय बैठक में इसे मंजूरी मिलने की संभावना है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास 2016 में फ्रांस से खरीदे गए 36 राफेल लड़ाकू विमानों पर पहले से ही मेटेओर मिसाइलें तैनात हैं। आने वाले वर्षों में भारतीय नौसेना के लिए आदेशित 26 राफेल मरीन जेट्स में भी इन मिसाइलों को शामिल किया जाएगा। रक्षा

विशेषज्ञों के अनुसार, मेटेओर मिसाइलों की नई खेप मिलने के बाद भारत की हवाई सीमा सुरक्षा और दुश्मन पर दूर से प्रहार करने की क्षमता में गुणात्मक वृद्धि होगी।

भारत ने विदेशी मिसाइलों के साथ-साथ अपनी स्वदेशी मिसाइल प्रणाली को भी सशक्त करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। डीआरडीओ वर्तमान में 700 से अधिक 'अस्त्र मार्क-2' मिसाइलें विकसित कर रहा है, जिनकी मारक क्षमता 200 किलोमीटर से अधिक होगी। इन्हें सुखोई-30 और तेजस विमानों पर लगाया जाएगा। वहीं, राफेल बड़े को मेटेओर मिसाइलों के साथ-साथ भविष्य में स्वदेशी एंटी-

रेंडिशन मिसाइलें देने की भी योजना है। बता दें कि मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों और आतंकी अड्डों को सटीक हमलों में नष्ट कर दिया था। भारतीय लड़ाकू विमानों ने लंबी दूरी से दुश्मन ठिकानों को निशाना बनाया, जिसके बाद पाकिस्तानी वायुसेना ने चीनी पीएल-15 मिसाइलों से जवाबी हमला किया, लेकिन कोई उल्लेखनीय नुकसान नहीं पहुंचा सकी। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में चीनी पीएल-15 मिसाइलें दागीं मगर वे भारतीय विमानों को हिट करने में नाकाम रहें।



‘इक्कीस’ का ट्रेलर देख सनी देओल ने की अगस्त्य नंदा की तारीफ, पापा धर्मेन्द्र पर बोले- ‘फिर मचाएंगे धमाल’



बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने अपने पिता और अभिनेता धर्मेन्द्र की आने वाली फिल्म ‘इक्कीस’ का ट्रेलर देखा। इसे देखने के बाद वह धर्मेन्द्र और फिल्म के एक्टर अगस्त्य नंदा की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। ट्रेलर देखने के बाद उन्होंने स्टारकास्ट के दमदार परफॉरमेंस की खूब तारीफ की।

फिल्म के ट्रेलर पर प्रतिक्रिया देते हुए सनी देओल ने धर्मेन्द्र के दमदार अभिनय की प्रशंसा की और कहा कि इस फिल्म के जरिए वह फिर से बड़े पर्दे पर धूम मचाने को तैयार हैं। गुरुवार को सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया। #इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ‘पापा फिर से धमाल मचाने वाले हैं। आप बहुत अच्छे लग रहे हैं, पापा। मैं आपसे प्यार करता हूँ। प्यारे अगस्त्य, ढेर सारी शुभकामनाएं, आप भी धमाल मचाएंगे। वो इक्कीस का था, इक्कीस

का ही रहेगा। दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स पेश कर रहे हैं परमवीर चक्र विजेता सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की एक अनकही सच्ची कहानी, जिसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है।’

29 अक्टूबर को मेकर्स ने ‘इक्कीस’ का ट्रेलर रिलीज किया था। इसके ट्रेलर में परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल के साहस, सम्मान और बलिदान की झलक दिखाई गई। इस फिल्म से अगस्त्य नंदा बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं, जो एक बहादुर सैनिक की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें अभिनेता धर्मेन्द्र, अरुण के पिता एमएल. खेत्रपाल की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म एक पिता की भावनात्मक यात्रा को दर्शाती है, जब वह यह समझने की कोशिश करते हैं कि 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान उसके बेटे ने किस वजह से देश के लिए बलिदान दिया था।

‘रामायण’ से मिली फीस विवेक ओबेरॉय ने की दान



विवेक ओबेरॉय एक मशहूर बॉलीवुड एक्टर हैं, जिन्होंने अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से कई बार लोगों का दिल जीता है। अब इन दिनों विवेक एक नेक काम के लिए सुखियां बटोर रहे हैं। यह तो सभी जानते हैं कि विवेक के पास कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं, जिनमें नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेड ‘रामायण’ भी शामिल है। ‘रामायण’ में विवेक विभीषण का किरदार निभाएंगे। हाल ही में मीडिया को दिए इंटरव्यू में विवेक ने बताया कि उन्होंने रामायण के निर्माता नमित मल्होत्रा से कहा कि उन्हें कोई पैसा नहीं चाहिए और वे इसे किसी अच्छे काम के लिए दान करना चाहते हैं, जैसे कि कैसर से जुड़ा रहे बच्चों के लिए। उन्होंने निर्माता से यह भी कहा कि वह उनके साथ काम करना चाहते हैं और उनका सपोर्ट करना चाहते हैं क्योंकि उन्हें यह प्रोजेक्ट बहुत पसंद आया। उन्होंने कहा, ‘मैंने नमित से कहा कि मुझे इसके लिए एक पैसा भी नहीं चाहिए मैं इसे किसी भी ऐसे काम के लिए दान करना चाहता हूँ। मेरा मतलब है कि कैसर से जुड़ा रहे बच्चों के लिए कुछ अच्छा करना चाहता हूँ।’

Kalki Part 1 के क्रेडिट रोल से नहीं हटा है दीपिका पादुकोण का नाम

एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। कुछ समय पहले फिल्म ‘कल्कि 2898 एडी’ के मेकर्स ने दीपिका को फिल्म के दूसरे पार्ट से निकाल दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी अनाउंसमेंट की थी। अब हाल ही में सोशल मीडिया पर ये खबरें आग की तरह फैली की मेकर्स ने फिल्म के पहले पार्ट के क्रेडिट्स से दीपिका का नाम हटा दिया है। हालांकि,

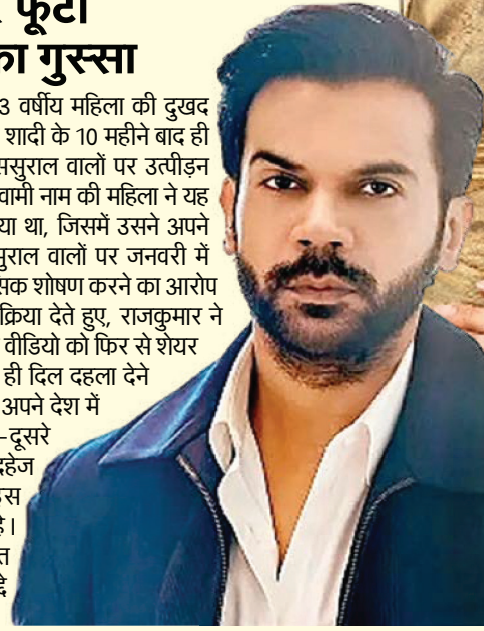
इन खबरों में सच्चाई नहीं है। नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम पर फिल्म अलग-अलग भाषा में स्ट्रीम हो रही है। जब दोनों ही प्लेटफॉर्म पर चेक किया गया तो पाया गया कि कल्कि के हर वर्जन में दीपिका को क्रेडिट दिया गया है। अब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। कुछ लोग इसे फेक बता रहे हैं। तो कुछ इसे फिल्म के मेकर्स के खिलाफ निगेटिव पीआर बता रहे हैं।



दहेज कांड पर फूटा

राजकुमार राव का गुस्सा

राजकुमार राव ने छत्तीसगढ़ की एक 23 वर्षीय महिला की दुखद मौत पर दुख और गुस्सा जताया है। महिला ने शादी के 10 महीने बाद ही आत्महत्या कर ली। उसने अपने पति और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया था। रायपुर की मनीषा गोस्वामी नाम की महिला ने यह कदम उठाने से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने अपने पति आशुतोष गोस्वामी, उसके भाई और ससुराल वालों पर जनवरी में शादी के बाद से लगातार शारीरिक और मानसिक शोषण करने का आरोप लगाया था। इस चौकाने वाली घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, राजकुमार ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अब वायरल हो रहे वीडियो को फिर से शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, ‘यह बहुत ही दिल दहला देने वाली खबर है। अब समय आ गया है कि हम अपने देश में इस भयावह दहेज प्रथा को खत्म करें। एक-दूसरे को इस कुप्रथा से बचने के लिए प्रेरित करें। दहेज को न कहें।’ बॉलीवुड एक्टर का यह संदेश इस मामले पर बढ़ते आक्रोश के बीच आया है। इंटरनेट यूजर्स ने भारत में दहेज से संबंधित उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के लगातार बढ़ते मुद्दे पर अपनी निराशा व्यक्त की है।



प्रियंका चोपड़ा बनी खतरों के खिलाड़ी, गले में सांप लटकाए आई नजर...

एक्ट्रेस को देख निक जोनस ने यूं किया रिएक्ट

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर अपनी लाइफ की हर छोटी-बड़ी अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब उन्होंने अपने फैंस के लिए कुछ खास तस्वीरों और वीडियो पोस्ट की है, जो चर्चा का विषय बनी हुई हैं। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने पति निक जोनस के साथ कुछ हैरतअंगेज तस्वीरें शेयर कीं, जो फैंस का ध्यान खींच रही हैं। बॉलीवुड की देसी गर्ल ने अपने पुराने और नए शौक की कुछ झलक दिखाई है, जिसमें वह गले में अजगर डालकर हंसते हुए नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने कुछ पुरानी तस्वीरें भी शेयर कीं, जो यह बताती हैं कि अजगर के साथ फोटो खिंचवाना उनका पुराना शौक है। प्रियंका ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह निक के साथ मौज-मस्ती करती दिख रही हैं।



निक जोनस साथ में नजर आ रहे हैं। इनमें से कुछ तस्वीरों में प्रियंका अपने गले में अजगर डाले हुए दिख रही हैं और वह बेहद खुश नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने कुछ पुरानी तस्वीरें भी शेयर कीं, जो यह बताती हैं कि अजगर के साथ फोटो खिंचवाना उनका पुराना शौक है। प्रियंका ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वह निक के साथ मौज-मस्ती करती दिख रही हैं।

वीडियो में प्रियंका अजगर को लाल सपेंटी कहकर जोर से हंसती हैं, जबकि निक उनकी प्यार से तारीफ करते हैं। एक्ट्रेस ने इन 9 फोटोज को पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, ‘यहां एक थीम है... जो बहुत हल्की-सी है।’

प्रियंका के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म ‘द ब्लफ’ में दिखाई देने वाली है, जिसमें वह एक समुद्री डाकू के किरदार में नजर आएंगी। दूसरी ओ, वह वेब सीरीज ‘सिटाडेल’ के दूसरे सीजन की शूटिंग में लगी हुई है जो जल्द ही खत्म होने वाली है। इसके अलावा, वह निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म ‘स्टड29’ में महेश बाबू के साथ नजर आने वाली हैं। महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा पहली बार किसी फिल्म में साथ काम करेंगे।

नेता और पुलिस के साथ तस्वीरें दिखाकर बनते हैं 'भावी नेता / समाजसेवक' फोटो से दबदबा बनाने वालों का खेल...

आजकल कुछ लोगों में एक नया शौक बढ़ गया है — फ़ोटो वाला दबदबा। ये लोग किसी नेता या पुलिस अफसर के साथ एक तस्वीर खिंचवाते हैं और फिर सोशल मीडिया पर उसे ऐसे दिखाते हैं जैसे अब वही इलाके के बड़े आदमी बन गए हों। किसी समारोह में नेता के साथ फ़ोटो, 15 अगस्त या 26 जनवरी पर झंडा फहराते हुए तस्वीर, या किसी पुलिस अधिकारी की नई पोस्टिंग पर गुलदस्ता लेकर पहुंच जाना — बस क्लिक हुई फ़ोटो और शुरू हुआ “हमारा उठना-बैठना बड़े लोगों के साथ है” वाला खेल।

इन तस्वीरों को देखकर आम लोग सोचने लगते हैं कि यह व्यक्ति बहुत पहुंच वाला है। कई बार तो लोग डर के मारे शिकायत तक नहीं करते, क्योंकि उन्हें लगता है कि उसका ताल्लुक ऊपर तक है। यही डर कई छोटे-छोटे अपराधों को दबा देता है। कुछ लोग तो इस दिखावे का इस्तेमाल धमकाने, पैसे वसूलने और दूसरों पर रौब जमाने के लिए भी करते हैं। हाल ही में कई जगहों से ऐसे मामले सामने आए हैं जहां लोगों ने नेता या पुलिस वालों के साथ फोटो लगाकर खुद को अधिकारी बताया



शुरू कर दिया। कुछ ने नकली पहचान पत्र और फर्जी आईडी बनवाकर लोगों को बेवकूफ बनाया। कहीं किसी ने खुद को सब-इंस्पेक्टर बताया, तो कहीं

किसी ने क़र्र अधिकारी बनकर लोगों से वसूली की। कई मामलों में पुलिस ने जांच की और कुछ फर्जी “अफसरों” को गिरफ्तार भी किया गया। ऐसे कई

साइबर ठग भी पकड़े गए हैं जो फोटो एडिटिंग करके किसी मंत्री या अधिकारी की तस्वीर लगाकर लोगों से पैसे ऐंठते थे। कई बार तो व्हाट्सएप पर बड़े नेताओं की प्रोफाइल फोटो लगाकर मैसेज भेजे गए और लोगों से लाखों रुपये ठगे गए। असल में यह पूरी चालाकी इस बात पर टिकी है कि लोग फोटो देखकर ही किसी को असली समझ लेते हैं। लेकिन अब जरूरी है कि लोग जागरूक रहें। अगर कोई व्यक्ति किसी बड़े अधिकारी या नेता की फोटो दिखाकर रौब जमाए, पैसे मांगे या फायदा लेने

की कोशिश करे, तो तुरंत पुलिस में शिकायत करें। समाज के लिए भी यह सोचने का समय है कि तस्वीर से ताकत नहीं आती, जिम्मेदारी और ईमानदारी से आती है। फोटो में चमक तो हो सकती है, लेकिन असली साख और सम्मान वही है जो काम से मिलता है, न कि किसी के साथ खड़े होकर ली गई तस्वीर से।

आखिर में बस इतना ही — फोटो में दिखने वाले ‘हीरो’ से ज्यादा जरूरी है असली इंसान बनना। क्योंकि सोशल मीडिया की दिखावे वाली ताकत कुछ दिन चलती है, लेकिन कानून की पकड़ हमेशा रहती है।

मुंबई : बायकुला ‘वाय’ ब्रिज अब एक मॉडर्न रिप्लेसमेंट के लिए तैयार...



मुंबई : एक सदी से ज्यादा समय तक खड़े रहने के बाद, मुंबई का मशहूर 103 साल पुराना बायकुला ‘वाय’ ब्रिज अब एक मॉडर्न रिप्लेसमेंट के लिए तैयार है, जो शहर के सबसे बिजी ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर में से एक को बदलने का वादा करता है। नया बायकुला रोड ओवरब्रिज, जो महाराष्ट्र रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (महारेल) द्वारा बनाया जा रहा एक केबल-स्टेड स्ट्रक्चर है, अब 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है और यह साउथ मुंबई, दादर और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के बीच एक जरूरी ईस्ट-वेस्ट कनेक्टर के तौर पर काम करेगा।

ठाणे नगर निगम के पानी के बिलों का बकाया वसूलने की कार्रवाई शुरू

ठाणे : जल आपूर्ति विभाग ने ठाणे नगर निगम के पानी के बिलों का बकाया वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस वर्ष अप्रैल-2025 से अब तक 43 करोड़ रुपये के पानी के बिल वसूले जा चुके हैं। यह कुल वसूली का लगभग 18 प्रतिशत है। बकाया वसूली के लिए सभी वार्ड समिति स्तरों पर अभियान चलाया गया है और समय पर पानी के बिल की राशि का भुगतान करके नगर निगम का सहयोग करने की अपील की गई है। नगर निगम के पानी के बिलों की कुल राशि लगभग 250 करोड़ रुपये है। इसमें सन 2025 के 92 करोड़ 28 लाख रुपये बकाया हैं। इस प्रकार, चालू वर्ष के लिए बिल राशि 157 करोड़, 80 लाख रुपये



है। इसलिए पानी के बिल का बकाया भुगतान नहीं करने पर नल कनेक्शन काटकर पानी की आपूर्ति बंद करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ठाणे मनपा ने वर्ष 2024-25 में पानी के बिलों में 148 करोड़ 95 लाख रुपये वसूलने में सफलता प्राप्त की थी। यह वसूली 2023-24 की तुलना में 15 करोड़ रुपये अधिक थी। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिया है कि जल आपूर्ति विभाग इस वित्तीय वर्ष में बकाया और चालू बिलों की 100 प्रतिशत वसूली करे। ठाणे

मनपा के अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी और नगर अभियंता प्रशांत सोनगरा के मार्गदर्शन में पानी बिल वसूली अभियान चलाया जा रहा है। जल आपूर्ति विभाग हर सोमवार को इस वसूली अभियान की समीक्षा करेगा। इसमें रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने पर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में मंगलवार शाम मुख्यालय स्थित स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल सभागृह में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपनगरीय अभियंता विनोद पवार ने वसूली की स्थिति और कार्रवाई की प्रकृति के बारे में मार्गदर्शन दिया। बैठक में सभी कार्यपालक अभियंता, उप अभियंता, मीटर रीडर आदि उपस्थित थे।

नकली सरकारी नौकरी घोटाले में एक बड़ा डेवलपमेंट...

मुख्य आरोपियों में से एक रविंद्र मोरे गिरफ्तार

मुंबई : 2.88 करोड़ के नकली सरकारी नौकरी घोटाले में एक बड़ा डेवलपमेंट हुआ है। मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने मुख्य आरोपियों में से एक रविंद्र मोरे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मोरे को एडह ऑफिस में पूछताछ के दौरान हिरासत में लिया गया और आज उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे पहले, 10 अक्टूबर को एडह ने सोलापुर जिले के बाशी के रहने वाले नकली क़र्र ऑफिसर नीलेश राठौड़ (35) को गिरफ्तार किया था। उस पर इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस ऑफिसर बनकर 36 नौकरी चाहने वालों को सरकारी नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके ठगने का आरोप है। राठौड़ ने खुद को



स्टाफ सिलेक्शन कमीशन में डिप्टी सेक्रेटरी बताया था और कथित तौर पर उम्मीदवारों को इनकम टैक्स इंस्पेक्टर और असिस्टेंट जैसे अच्छे पदों पर नौकरी दिलाने का वादा किया था। इस घोटाले में भोले-भाले उम्मीदवारों से बड़ी रकम वसूली गई थी। अब एडह इस मामले की पूरी जांच कर रही है ताकि इसमें शामिल दूसरे लोगों का पता लगाया जा सके और ठगी गई रकम बरामद की जा सके।

काश्मीरा : चोरी का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार...



काश्मीरा : काश्मीरा, अपराध शाखा कक्ष- 1 ने चोरी की वारदात के बाद 24 घंटे में चोर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। नया नगर क्षेत्र के रहने वाले शिकायतकर्ता मोईन एजाज खान के घर में एक अज्ञात चोर ने खिड़की का ताला तोड़कर प्रवेश किया। चोर ने घर से लगभग 2,53,500/- मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन और नकदी की चोरी की थी। चोरी की शिकायत नया नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कि गई थी।

शिकायत के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपराध शाखा कक्ष-1 के प्रभारी पुलिस निरीक्षक (अपराध) सुशील कुमार शिंदे एवं उनकी टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचनाओं के आधार पर जांच करते हुए, आरोपी बहुरूल नूर इस्लाम 26 वर्ष, को भायंदर पश्चिम से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पर नया नगर एवं नवघर पुलिस स्टेशनों में पहले भी कई मामले दर्ज हैं।

युगवार्ता मंथन मासिक स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पूजा नीलेश पांडेय द्वारा एस. आर. पब्लिकेशन, गोडाउन नंबर 89 10, मोहन अर्जुन कंपाउंड, घरटन पाड़ा के पास, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टॉप, दहिसर (ईस्ट), मुंबई, महाराष्ट्र- 400068. से मुद्रित कर जय भवानी मित्र मंडल, राम नगर, गांधी नगर हिल, कुरार विलेज, मलाड ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400097 से प्रकाशित.

संपादक : पूजा नीलेश पांडेय मोबाइल: + 91 82860 48875 PRGI REG. No. : MHMUL/25/A3148

Yugvarta Manthan monthly Owned, Printed and Published by : POOJA NILESH PANDEY at S R PUBLICATION, GODOWN NO 8 9 10, MOHAN ARJUN COMPOUND, NEAR GHARTAN PADA, VAISHALI NAGAR, LAST BUS STOP, DAHISAR (EAST), MUMBAI, MAHARASHTRA- 400068. Published at JAY BHAWANI MITRA MANDAL, RAM NAGAR, GANDHI NAGAR TEKDI, KURAR VILLAGE, MALAD EAST, MUMBAI, MAHARASHTRA - 400097
Editor : POOJA NILESH PANDEY. Mobile: +91 82860 48875 PRGI REG. No. : MHMUL/25/A3148